मस्यमनुरूध्यते विषमस्यं त्यन्नति (योषितः) R. 3, 19, 6. भर्तारमनुरूध्यतः क्तिश्यते वीर्पत्नयः MB#. 4,492. गतश्रीकान् — पार्धान्नान्रे।ड्रं तमर्रुसि 3,15632. श्रन्तृहः (तन्तृह beide Ausgg.) शिखी राजा मिध्योपचरिता म-या dem ich zugethan bin 5, 1308. इत्यादिभिः प्रियशतिरन्रध्य म्म्धाम् seine Zuneigung zu erkennen gebend Uttanan. 55, 3 (71, 1). प्राच्या म्बसे काम तत्तदेवान्रुट्यसे daran hängst du Spr. 3594. धर्मम्, ज्ञानम्, काममनुक्ट्यते Nia. 14,6. MBa. 5,4156. Spr. 4273. द्वायम् MBa. 3,13891. सुखप्रिये ५,९५०. धर्म्यम्पभे।गम् 12,6676 (म्रन्त्रध्ये st. म्रन्त्रन्ध्ये ed. Bomb.). शीचम् 8890. निजप्रतिज्ञामन् रूध्यमाना मद्गाखमाः कर्म समार्भते haltend an Spr. 216. धर्ममेवानुहृध्यति MBH. 3,2169. श्रर्थम् 12678. सुखप्रिये 5, 648 (कामात् st. कामान् ed. Bomb.). काममन् फ्रन्ध्यता (lies क्रिध्यता) Mark. P. 75, 16. श्रायमे वासमन् कथ्य Gefallen findend an R. 7, 48, 5. — 4) gutheissen, billigen; med.: इमाममूलां गाविन्द्राजािक्तं नानुहृत्धमहे Киш. ги М. 4,7. 11,180. श्रृतवानिस्म यत्कर्म कृतवानिस भागव। स्रनुह-ध्यामके ब्रह्मिन्पत्रान्एयमाहियतम् (म्राहियतः ed. Bomb.) ॥ wir billigen es, dass du R. 1, 76, 2. यज्ञै विचित्रैर्यज्ञेता भवाय ते राजन्स्वदेशानन्राज्ञ-मर्कोस Buig. P. 4,14,21. — 3) sich richten nach, Rücksicht nehmen auf: मना ऽनुहत्यती भर्तुः МВн. 13,4497. ले।कगाधामनुहत्यानः Бакуараксаная. 2,1. नानुरोत्स्ये बगह्यहमीम् BHATT. 16,23. कृत तिर्यञ्चा ऽपि परिचयमन्-हृध्यक्ते Uттакав. 51,8 (66,8). अनुहृध्यस्व भगवता वसिष्ठस्यादेशम् 75,12 (97,7). शांक्रेगुणाश्रया तत्र प्रधानमन् रुध्यते Verz. d. Oxf. H. +62,b, N. 7. स्वामनुरुध्य बुद्धिम् 198, b, No. 467. न चास्या ॡर्यमननुरुध्य स्वेच्ह्या नमें कुपात् Kamaç. bei Mallin. zu Kumaras. 7, 94. नायं पापा मया कृष्ठा युक्तः स्पादन्रेगिधतुम् । प्राणेन er verdient nicht, dass ich in Bezug auf sein Leben Rücksicht auf ihn nehme MBn. 2,926. स्वगार्थमन्तृद्ध: so v. a. den Himmel im Auge habend Spr. 4673, v. l. — Vgl. সন্মন্ত্র fg., श्रन्तेगध (gg.

— ऋष abhalten, abwehren; verstossen, ausschliessen, namentlich von Herrschaft oder Bositz vertreiben: ऋषं जापाम राधम् १४.10,34,2. 3. ऋ-तिश्चम् Аіт. Вв. 5,30. ऋन्यतेत्रे ऋष्तृहं चर्तम् А४. 3,3,4. 12,3,43. ऋ-प्रमं जीवा श्रंत्रान्येः 18,2,27. राष्ट्रात् Аіт. Вв. 8,10. С.т. Вв. 12, 9, 8,1. ТS. 2,2,8,5. 3,4,1. पा ऽवंगतः सा ऽपंत्रध्यता या ऽपंत्रहः सा ऽवंग-एक्तु 6,6,5,3. Кати. 27,5. सिन्ध्विद्वाज्ञार्षिर्धागपत्रद्वश्चर् Райках. Вв. 12, 12,6. 15,3,25. 18,3,5. Кати. Св. 19,1,3. 22,9,16. ऋष्त्रह Кім. № 13,73 fehlerhaft für उपत्रह (vgl. 67). Vgl. ऋषराहर, ऋषराध. — desid. ऋष्त्रतस्यमान den man abschaffen will Кати. 37,11.

— ভয়া intens. Jmd verstossen, der Herrschaft berauben R. ed. Bomb. 2,58,20; vgl. u. মূল intens.

— श्रभि 1) abwehren, abhallen MBs. 8, 4308. — 2) in Verwirrung bringen: सैनिकास्तपोवनमभिकृत्धित्त Çâk. Cs. 24,10. 33,3. उपकृत्धित्त die endere Recension.

— म्रव 1) Jmd abhalten, zurückhalten: न शशाकात्तर्विविद्यदेशि स-मुखतम् R. 3,1,33. मा गा इत्यवकृद्धा Çâk. 35. Sâh. D. 48,8. versperren, hemmen: ल्लातमा वर्तमान्यवकृष्यत्त गर्भेण Suça. 1,328,8. festhalten, einschliessen (nach dem Comm.): स्रवं पृमुशा कृष्ट्या: R.V. 10,105,1. absondern, zurückstellen, einsperren; beseitigen: गर्वा सरुलम् Çat. Ba. 11,6, a,1.14,6,4,2. उद्गातारम् 13,2,8,2. सप्त भातृच्यान् 14,5,8,1.6,4,2. Çâñkh. Ba. 12,8. Saapy. Ba. 4,2. स्वाराधि गार्दवरत्तेन wurde eingesperrt, स्रवा-

हिंड गाः स्वयमेव sperrte sich selbst ein P. 3,1,64, Sch. mit doppeltem acc. P. 1,4,51. स्रवरूपाद्धि गां त्रजम् Schol. शांकं चित्तमवारूधत् er schloss seinen Kummer in's Herz ein Bustt. 6,9. gewöhnlicher mit acc. und loc.: म्रात्मानमात्मन्यवरूध्य Baks. P. 2,2,16. ईग्रार: संची व्हयवरूध्यते अत्र कृतिभिः श्रम्राषुभिः 1,1,2. तिर्यसन्यिववुधादिषु – स्रवहृद्धदेकः 3, 9,19. म्रवरुद्धाम् दामीपु eingeschlossen Jāśń. 2,290. मृताविका: eingehegt M. 8,236. मिक्मा तस्य वृद्धबन्धक्या म्रविहृह इवाभवत् gleichsum eingesperrt Rica-Tar. 6,286. तामवर्ष्डलमनेषात् so v. a. sperrte sie in seinen Harem ein (vgl. म्रबरेाध) ४,६७७. भवानीनायैः स्त्रीगणार्ब्रसङ्ख्रीरव-रुध्यमानः (= सर्वतः सेट्यमानः Comm.) umlagert, umgeben Buig. P. 5, 17,16. belagern: पुरमवारूणात् Daçak. 93,20. काञ्च्या गाउतरावरुद्धवस-নিমারা zugezogen, zusammengebunden Spr. 630. med. bei sich behalten, zurückhalten so v. a. nicht gewähren: स्रयं प्रवर्तिता धर्मस्तुला धार्यता लया । स्वर्गदारं च वृत्तिं च भूतानामवरेगतस्यते ॥ MBH. 12,9396. in sich schliessen, enthalten Buig. P. 8, 12, 11. म्ब्राह्म = म्रपह्म verstossen, ausschliessen, vertreiben: यस्य चार्चे ऽवरूध्यमे R. 2, 30, 9. हा-ष्ट्रात् Kauç. 16. Çinkir. Çi. 14,50,8. पाञ्चालस्य वने वसतो वर्ह्यस्य (d. i. ऽविहिद्दा, wie schon Weber vermuthet hat) Karu. Anuer. in Ind. St. 3, 460. भ्रवरुद्धा งचर्तपाया वर्षाणि त्रिद्शानि च MBH. 4,2011. भ्रवरुद्ध bedeckt, verhüllt: निगरितद्वपैर्जलधर्जालेह्यक्मवृतद्वं द्वक्मथ वाक्:। प-दि विपर्व भवति मुभितम् VARAH. BRH. S. 24, 20. स्वरुडशर्न् unerkannt, incognito Dacak. 101, 15. - 2) act. verleihen, verschaffen (für Jmd absordern): सा मे अमुब्मादिदमवहृन्ध्यात् (v. 1. स्रवहृन्द्वाम् erlange für mich) Kaush. Up. 2, 3. med. erhalten, erlangen, erreichen (für sich absondern, als sein Theil verwahren): ऋपीरिमितं लाकमर्व हन्धे AV. 9, 5,22. 6,9. 40. पृथा देवयानीन् 15,11,3. म्रम्तंस्य भत्तम् 13,2,15. तेन वै स देवतीश्चेन्डियं चार्वाहत्य TS. 2,5,3,2. सर्वतं एवैनेमवह्ययं चिन्ते 5,7,10, 2. प्रजामवं रूप्धोमिक् 7,2,6,1. Air. Br. 1,6.12. 2,17. 3,2. कामम् Кать. 33,1. Çлт. Вв. **4,6,⊕**,20. म्रज्ञम् 5,2,**३,**3. **10,6,5,**8. सर्वे हैवास्य तदाप्तम-वरुडमभिजितम् 11,2,३,१.12,7,३,७.14,4,३,३१ (म्रवारून्धत् Bat. Åa. Up. 1, 5, 21). Shapy. Ba. 3, 7. Khând. Up. 2, 15, 2. Bhâg. P. 2, 7, 21 (wo die ed. Bomb. श्रम्तापुर्वावरून्ध श्राप्द्य liest; das erste श्रव erklärt der Comm. म्रवसन्नं पूर्व दैत्यैः). 3,25,27. 4,13,9 (म्रवहत्धानः = म्राप्नुवन्, जा-নন্ Comm.). 5,1,15.2,21.4,4.14,1.22.33 (der Comm. ergänzt মৃত্র:-खारि, Burnour übersetzt स्रवहत्धान durch s'arretant). 39 (स्रवहत्धते st. म्रवहरूडे). 10,68,28. 11,12,2. act.: पर्रा काष्ठामचिरादवरातस्यसि 3, 33,10. सर्वे कामा श्रव्हाः स्यः ÇAMK. zu KHAND. Up. S. 16. BHAG. P. 3, 23, 7. 10, 15, 22. MARK. P. 49, 58 (?). — 3) an Jmd hängen, Jmd zugethan sein (vgl. ब्रन्): पृथ्मेवावहत्यती Bui.c. P. 4,15,5. — Vgl. 2. ब्रव-राध 😭., २. म्रवराधन. — caus. वेगावराधित wohl verstopft Suça. 2,239, 3. — desid. med. श्रवहित्सते zu erlangen wünschen, einzuholen suchen TS. 1,5,4,1. ТВв. 1,3,2,1. 2,1,2,1. Ант. Вв. 1,12. 되부지점부 Сат. Ba. 10,4,2,6. Катн. 12,5. पणून् Асу. Са. 11,2,18. Внас. Р. 3,9,18. 9, 13,10. act. 4,8,30. — intens. aus der Herrschaft vertreiben, der Herrschaft berauben: स्रतिक्रात्तवया राजा मा स्मैनमवरेगाचः (स्मैनं व्ययोग-रुधः ed. Bomb.) । कामार्राज्ये जीवस्व तस्यैवाज्ञा प्रवर्तताम् ॥ R. 2,58,20.

— पर्यव s. पर्यवरोध.

- प्रत्यत्र 1) hemmen, unterdrücken: प्रत्यत्रह्मोजन Bule. P. 1,10,